फॉरेस्ट एसेट का बेहतर उपयोग हो तो आएंगे अच्छे नतीजे

आइआइएम में सीधी बात का आयोजन

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

ममता चावड़ा

डॉ. जवाहर सुरिसेट्टी

रायपुर ◆ खदानों के चलते जो लौह और सीमेंट उद्योग हैं वो आगे भी बढ़ेंगे। मगर खनिज सम्पदा असीमित नहीं होने की वजह से आगे का प्रबंधन सम्भावनाओं को ध्यान में रखकर करना चाहिए। चूँकि हमारे पास 44 प्रतिशत वन हैं और अगर वन सम्पदा समय पर दोहन नहीं किया गया तो वो बेकार हो जाता है। पड़ोस के आंध्रा प्रदेश में ही आँवला और शहद का भरपूर उपयोग कर एक अच्छा ख़ासा व्यवसाय सरकारी वन संस्थाओं ने खड़ा कर दिया है। अगर छत्तीसगढ़ में वन सम्पदा को बेहतर ढंग से उपयोग किया जाए तो बहुत अच्छे परिणाम मिल सकते हैं। यह कहना है सीधी बात में भारतीय प्रबंध संस्थान में छतीसगढ़ में भविष्य में सम्भावनाओं पर अपना व्याख्यान देते हुए शिक्षविद् डॉ. जवाहर सुरिसेट्टी का।

उन्होंने कहा कि पर्यटन के सीमित सम्भावनाओं के बावजूद गुजरात ने जिस तरह से स्टैचू ऑफ़यूनिटी का निर्माण कर हर रोज 20000 पर्यटकों को लुभा रही हैं उसी तरह छत्तीसगढ़ भी अपने हरियाली, झरने एवं ग्रामीण इलाक़ों में अगर हेल्थ टुरिज़म, रुरल टुरिज़म पर ध्यान दे और कुछ ऐसी जगह बना सकें जो पर्यटक को ला सकता है तो बहुत अच्छा होगा । स्टार्ट अप के लिहाज से भी राज्य में अपार सम्भावनाएं हैं। चूँकि हमारे पास तीन स्मार्ट सिटी हैं और स्वास्थ्य, शिक्षा और शहरी विकास में हम बहुत आगे नहीं हैं । अगर हम छोटे छोटे चैलेंज देकर युवाओं को काम पर लगाएं तो अच्छे परिणाम आने की उम्मीद है ।

इनोवशन और तकनीक के साथ कर रहे काम

अविनाश ग्रुप की जीएम (मार्केटिंग) ममता चावड़ा ने कहा कि हमने हमेशा से इनोवेशन और न्यू टेक्नोलॉजी पर काम किया है। 18 साल में अगर राज्य ने तरक्की की है तो निश्चित तौर पर हमारा भी योगदान रहा है। आगे भी हमारी स्ट्रेटजी नयापन लाने की हैं।

नया रायपुर की बसाहट में भी हमारा कन्ट्रीब्यूशन हैं। हमारी यूएसपी न्यू आडियाज को लेकर हैं। उन्होंने ग्रुप की सक्सेस स्टोरी साझा की। कार्यक्रम में टच स्टोन के फाउंडर और एमडी रोहित पारख और माइक्रो मार्केट ओयो के सीइओ भारत पांडे ने अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि राज्य और आगे बढ़ेगा। इसके लिए सरकारों के साथ पब्लिक में भी अवेयरनेस बढ़नी चाहिए।

Patrika, 16th Nov 2018, P.10